

---

OMkAra Stotram

——  
ओङ्कारस्तोत्रं

——  
Document Information



---

Text title : OMkArastotram

File name : OMkArastotram.itx

Category : deities\_misc, ShaTka

Location : doc\_deities\_misc

Transliterated by : Sumedh Sathaye

Proofread by : Sumedh Sathaye

Description/comments : Tantrasara. Stotra Kusumanjali (1921) page 112

Latest update : September 2, 2024

Send corrections to : sanskrit at cheerful dot c om

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

September 2, 2024

*sanskritdocuments.org*

---



ओङ्कारस्तोत्रं

---



अकारात्मकः सृष्टिकर्ता स्वयम्भूरुकारात्मकः पालकश्चक्रपाणिः ।  
मकारात्मकः शङ्करः शं तनोति तमोङ्कारमादिस्वरूपं नमामि ॥ १ ॥  
अकारे स्थितं देहिनां स्थूलकर्म उकारे स्थितः सूक्ष्मसद्भक्तिभावः ।  
मकारे स्थितं कारणं ज्ञानपूर्णं तमोङ्कारमादिस्वरूपं नमामि ॥ २ ॥  
अकाराश्रितं विश्वमूलाश्रयं सत् उकाराश्रितं सर्वभूतान्तरं चित् ।  
मकाराश्रितः शुद्ध आनन्दकन्दस्तमोङ्कारमादिस्वरूपं नमामि ॥ ३ ॥  
अकारस्तु सद्द्वं स्वयं ब्रह्मसंस्थं उकारो रजः क्षत्रिये सन्निविष्टम् ।  
मकारो विषां दृश्यते तत्तमः स्यात्तमोङ्कारमादिस्वरूपं नमामि ॥ ४ ॥  
अकारस्तु पाताललोकारव्यको भूरुकारो भुवर्भूमिलोकप्रसिद्धः ।  
मकारस्तु स्वः कथ्यते स्वर्गलोकस्तमोङ्कारमादिस्वरूपं नमामि ॥ ५ ॥  
अखण्डं निजं निर्गुणं निर्विकल्पं विभुं व्यापकं सर्ववेदादिमूलम् ।  
स्मरन्मुच्यते पापतापान्मनुष्यस्तमोङ्कारमादिस्वरूपं नमामि ॥ ६ ॥  
इति तन्त्रसारे ओङ्कारस्तोत्रं सम्पूर्णम् ।

Encoded and proofread by Sumedh Sathaye

---

